University in News on 03 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

गैर पीएचडी शिक्षकों को इस वर्ष भी शोध में मिलेगा कोटा

लविवि : पीएचडी ऑर्डिनेंस-2023 में सुपर न्यूमेरिक कोटे की व्यवस्था

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों को इस वर्ष भी सुपर न्यूमेरिक कोटे के तहत पीएचडी में प्रवेश मिलेगा। गत वर्ष भी शिक्षकों को इसके तहत एडमिशन मिला था। लेकिन पीएचडी अध्यादेश में बदलाव होने के बाद इस व्यवस्था को लेकर संशय था। नए अध्यादेश में इस व्यवस्था में बदलाव नहीं किया गया है, यह अध्यादेश विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

लविवि में सत्र 2023-24 में होने वाले पीएचडी दाखिले नए पीएचडी अध्यादेश 2023 के हिसाब से ही होंगे। यूजीसी के के मुताबिक, प्रोफेसर को आठ, एसोसिएट प्रोफेसर को छह और असिस्टेंट प्रोफेसर को अधिकतम चार शोधार्थी आवंटित हो सकते हैं। लेकिन अध्यादेश में यह प्रावधान किया गया है कि सुपर न्यूमेरिक कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले शिक्षक इसमें नहीं जुड़ेंगे।

लविवि ने सोमवार को 39 विषयों में विवि और संबद्ध कॉलेजों में 898 नियमित और 58 पार्टटाइम सीटों पर पीएचडी के प्रवेश के लिए विज्ञापन जारी किया था। मंगलवार से प्रवेश के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इसकी अंतिम तिथि 22 जनवरी है।

पीएचडी करने वाले शिक्षक नहीं बन सकेंगे गाइड

- विवि में पीएचडी करने वाले शिक्षकों को शोधार्थी नहीं आवंटित होंगे। इससे वह गाइड नहीं बन पाएंगे। नवीन पीएचडी अध्यादेश में इसे लेकर व्यवस्था की गई है। सुपर न्यूमेरिक कोटे के तहत प्रवेश लेने वाले शोधार्थी शिक्षकों के लिए अध्यादेश में ऑनलाइन कोर्सवर्क का प्रावधान किया गया है। इसके लिए उसे 12 क्रेडिट हासिल करने होंगे। यह व्यवस्था रिसर्च एडवाइजरी कमेटी के अधीन होगी।

कोर्सवर्क की व्यवस्था आरएसी करेगी

“ शिक्षकों को सुपर न्यूमेरिक कोटे के तहत पीएचडी में प्रवेश दिया जाएगा। उनके ऑनलाइन कोर्सवर्क की व्यवस्था रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) कर सकती है। –प्रो. गीतांजलि मिश्रा, अधिष्ठाता शैक्षणिक लविवि

कैंटीनों में लगेंगे कैमरे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सभी कैंटीन कैमरे की निगरानी में होंगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मिलने वाली सेवाओं में बेहतरी लाने के साथ ही खाने की गुणवत्ता में सुधार लाना है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय इसके लिए विस्तृत योजना तैयार कर रहा है।

लविवि में इस समय दस कैंटीन संचालित हैं। इनका संचालन विवि प्रशासन की निगरानी में होता है। विवि में कई बार कैंटीन में खराब खाना देने समेत अन्य शिकायतें संज्ञान में आती हैं। साथ ही अराजक तत्वों के मारपीट करने मामले भी सामने आते हैं। इसलिए कैंटीनों को सीसीटीवी कैमरे से लैस करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सभी सीसीटीवी कैमरों का डिस्प्ले कैंटीन के नजदीकी विभाग के अध्यक्ष के कक्ष में होगा। इससे वहां होने वाली गतिविधियों पर नजर रहेगी। साथ ही कैंटीन संचालकों को कैंटीन में मिलने वाली सामग्री की रेट लिस्ट भी कैंटीन में चस्पा करनी होगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने बताया कि कैंटीनों में कैमरे लगने से वहां सुरक्षा का भाव बढ़ेगा, साथ लोग लड़ाई-झगड़ा करने से बचेंगे। कोशिश है कि जल्द कैमरे लगाए जाएं। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच, कालेजों के आठ विषयों में शून्य सीटें

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में सत्र 2023-24 के पीएच.डी. दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया मंगलवार शाम से शुरू हो गई। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर दिए गए लिंक के माध्यम से 22 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय एवं कालेजों में कई ऐसे विषय हैं जिनमें शिक्षकों को इस बार एक भी सीटें नहीं मिली है। वहीं, कई विषयों में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा रहेगी।

लवि में सत्र 2022-23 में पी.एचडी. की कुल 1296 सीटों पर आवेदन लिए गए थे। इनमें 1244 सीटें पूर्णकालिक और 50 सीटें अंशकालिक सीटें शामिल थीं। वर्तमान सत्र में पीएच.डी. प्रवेश के लिए 39 विषयों में पूर्ण कालिक पीएच.डी. की 898 एवं अंशकालिक की 58 सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। जारी विवरण के अनुसार लवि में भूगोल, गृह विज्ञान, एमआइएच, शारीरिक शिक्षा और रक्षा अध्ययन में इस बार एक भी पूर्णकालिक पीएच.डी. के लिए सीटें नहीं हैं। इसी तरह कालेजों में जीव रसायन, फ्रेंच, पत्रकारिता, भाषा विज्ञान, गणित, पाश्च संस्कृत, पर्शियन, लोक प्रशासन में एक भी सीट नहीं है।

एमकाम 12, एमएससी कम्प्यूटर साइंस की परीक्षा 15 से

लवि ने एम.काम. कामर्स, एम.एससी. कम्प्यूटर साइंस और एम.ए. उर्दू विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम लवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड कर दिया गया है। एम.काम. सेमेस्टर-1 (सीबीसीएस) और इसके ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 12 से 24 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षा 13 से 23 जनवरी तक होंगी। एम.एससी. कम्प्यूटर साइंस प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 22 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 13 से 23 जनवरी तक होंगी। दोनों परीक्षाओं का समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहेगा। एम.ए. उर्दू तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 24 जनवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 23 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी।

आज से बीएड और बीपीएड की परीक्षाएं : बीएड तीसरे और बीपीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं बुधवार से शुरू होंगी। बीपीएड के लिए सात और बीएड के लिए लखनऊ, हरदोई, सीतापुर रायबरेली व लखीमपुर खीरी को मिलाकर 78 केंद्र बनाए गए हैं। इन पर करीब 126 बीएड कालेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षा देने के लिए आवंटित हैं। बीएड तीसरे सेमेस्टर परीक्षाएं तीन, पांच व आठ जनवरी को होंगी।

लवि में पीएच.डी. के कई विषयों में बहुत कम सीटें होने की वजह से प्रवेश की कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। अरब कल्चर में एक, जीव रसायन में दो, फ्रेंच में एक, भाषा विज्ञान में एक, दर्शनशास्त्र में दो सहित कई विषय में सीटें कम हैं। कुछ विषयों में कालेजों की पूर्णकालिक सीटों का हाल ऐसा ही है।

40 क्रेडिट का होगा एक वर्षीय पीजी कोर्स

- लवि को मिली यूजीसी की पीजी प्रोग्राम की गाइडलाइन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का एक वर्षीय पीजी कोर्स 40 क्रेडिट का होगा। विद्यार्थियों को इसके लिए प्रति सेमेस्टर में 20 क्रेडिट मिलेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत पीजी पाठ्यक्रम के लिए गाइडलाइन लखनऊ विश्वविद्यालय को मिल गई हैं। जल्द ही विश्वविद्यालय एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम के प्रारूप को लेकर बैठक करेगा।

अभी तक दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम संचालित है। जल्द ही एक वर्ष का पीजी कोर्स करने की भी सुविधा मिलेगी। हालांकि, इसके लिए चार वर्षीय स्नातक करने वाले छात्र-छात्राओं को 75 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने होंगे। इससे कम वालों के लिए दो साल का ही पीजी कोर्स करने की विकल्प रहेगा। कमेटी के सदस्य के अनुसार अभी दो साल के पीजी कोर्स में प्रति सेमेस्टर 96 क्रेडिट दिए जाते हैं। अब प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट मिलेंगे। यूजीसी की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार एक साल के पीजी पाठ्यक्रम में शोध को प्रमुखता दिए जाने का जिक्र किया है। इसमें पीजी डिप्लोमा से लेकर अन्य पीजी कोर्स का सेमेस्टर वार क्रेडिट भी निर्धारित किया गया है। अब लवि इसी आधार पर एक साल के पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श करेगा।

कमेटी में अधिष्ठाता विज्ञान संकाय भी शामिल : लवि के एक वर्षीय पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए कला संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद अवस्थी की अध्यक्षता में बनी कमेटी में आंशिक संशोधन किया गया है। अब 11 सदस्यीय कमेटी में अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रोफेसर शीला मिश्रा नए सदस्य के रूप में शामिल की गई हैं।

लवि : प्रयोगात्मक परीक्षा आठ को

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय बी.एससी. कम्प्यूटर साइंस तीसरे सेमेस्टर (एनईपी) की प्रयोगात्मक परीक्षा आठ जनवरी को आयोजित करेगा। विभाग ने इसका नोटिफिकेशन मंगलवार को जारी कर दिया।

लवि परिसर के बी.एससी कम्प्यूटर साइंस तीसरे सेमेस्टर के साथ-साथ डा. राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल कालेज, अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री कालेज और मुमताज पीजी कालेज के इस विषय के छात्र-छात्राओं को निर्धारित समय पर विश्वविद्यालय में पहुंचना होगा।

लविवि : बीएससी कंप्यूटर साइंस की प्रैक्टिकल परीक्षा आठ को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध तीन कॉलेजों में बीएससी कंप्यूटर साइंस की तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षा आठ जनवरी को होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. पुनीत मिश्र ने पत्र जारी करते हुए इसकी सूचना दी। प्रैक्टिकल दो बैच में होगा। पहले बैच की परीक्षा सुबह 10 से एक बजे और दूसरे बैच की एक से चार बजे तक होगी। संबद्ध कॉलेजों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल कॉलेज, इस्लामिया डिग्री कॉलेज एवं मुमताज पीजी कॉलेज के विद्यार्थी प्रैक्टिकल देंगे। विद्यार्थी विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

बीएससी की परीक्षाएं 8 से

लखनऊ : लविवि में बीएससी सेमेस्टर की परीक्षा 8 जनवरी से आयोजित होगी। कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष के अनुसार, बीएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र दो पालियों में परीक्षा देंगे। इसकी जानकारी विवि की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।